डॉ0एम0सी0 जोशी
सचिव

उत्तराखण्ड शासन

विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।

दिनांक : 26 जनवरी, 2015

संदेश

प्रदेश के समस्त सम्मानित अभिभावकों, शिक्षक/शिक्षिकाओं, छात्र–छात्राओं एवं शिक्षा परिवार के समस्त अभिकर्मियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

साथियों आज हम भारत के गणतंत्र की 65वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। देश का संविधान लागू हुये 65 वर्ष हो चुके हैं। देश के शासन का स्वरूप हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में अंगीकृत किया गया है।

हम सभी स्वतंत्र भारत के नागरिक हैं जिन्हें देश के विकास एवं उन्नति के लिये पृथक–पृथक दायित्व सौंपे गये हैं। देश के नागरिक अपनी रूचि एवं क्षमता के अनुसार इन दायित्वों का चयन करने के लिये स्वतंत्र हैं। शिक्षा परिवार से जुड़े हम सभी अभिकर्मी सौभाग्यशाली हैं कि हमें शिक्षा जैसे पुनीत दायित्व के माध्यम से देश एवं समाज की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। नौनिहालों में आदर्श नागरिक का गुण विकसित कर तथा उन्हें अपेक्षित ज्ञान प्रदान कर उनमें आत्म विश्वास जागृत करने की आवश्यकता है तथा उनकी क्षमता संवर्धन कर उनमें राष्ट्रसेवा के लिये यथोचित ढंग से तैयार करना हमारा कर्तव्य है।

हमारी युवा पीढ़ी को देश एवं समाज की सांस्कृतिक धरोहर एवं देश के गौरवमयी ऐतिहासिक क्षणों से परिचित कराने की आवश्यकता महसूस हो रही है।

हमें याद है बचपन में हमारे माता–पिता, परिवार के अन्य अग्रज तथा बुजुर्गों द्वारा हमें संस्कार एवं समाज में लोक व्यवहार की जानकारी दी जाती रही तथा विद्यालय में हमारे आदर्श गुरूजनों द्वारा हमें शिक्षा, लोक व्यवहार एवं आदर्श नागरिक का पाठ पढ़ाया जाता था। हम जब तक किसी पाठ को याद नहीं कर लेते थे हमारे गुरूजन पृथक–पृथक तरीके अपना कर अपना प्रयास जारी रखते रहते थे। आज जब भी ऐसे गुरूजन हमें मिलते हैं तो वरवस ही उनके चरण स्पर्श करने की उत्कण्ठा उत्पन होती है। आज भी हम अपने प्रिय गुरूजनों के प्रति अपार श्रद्वा रखते हैं।

गुरूपद के सम्मान में ह्रास नहीं होना चाहिये, यद्यपि आज भी ऐसे विद्वान एवं कर्मठ शिक्षक साथी मौजूद हैं जिनके कृत्य अनुकरणीय हैं।

कल्पना करें कि एक नवयुवक चाय की दुकान पर आपको चाय लाते हुये बोलता है कि गुरूजी मुझे नहीं पहचाना, मुझे आप फलां–फलां विद्यालय में पढ़ाते थे, इसके विपरीत एक

नवयुवक अस्पताल में रोटीन चेकअप के दौरान आपके चरण स्पर्श करते हुये बोलता है कि आपके आर्शीवाद से मैं डाक्टर के रूप में समाज की सेवा कर रहा हूँ।

दोनों परिस्थितियों में हम कैसा महसूस करेंगे, हमें मनन करना होगा कि हमें किस प्रकार से आदर्श नागरिक देश के लिये तैयार करने हैं।

मेरा इस पुनीत अवसर पर केवल यह अनुरोध है कि हम इस बात का चिन्तन करें कि मैं अपने छात्रों के लिये क्या कर सकता/सकती हूँ। बच्चों में आदर्श नागरिक के गुण कैसे विकसित कर सकते हैं। इन बातों पर शिक्षक समुदाय के बीच वार्तालाप होना चाहिये तथा नवाचारी गतिविधियों तथा एक्सन रिसर्च द्वारा अभिनव प्रयोग भी करते रहना चाहिये इससे विद्यालय में प्रतिदिन नवीनता बनी रहेगी और प्रिय छात्र–छात्रायें उत्सुकता के साथ ज्ञान एवं संस्कार प्राप्त करने के लिये लालायित होते रहेंगे।

आज गणतंत्र दिवस के पुनीत अवसर पर प्यारे छात्र–छात्राओं को माता–पिता, आदर्श शिक्षकों तथा विद्वतजनों के बताये रास्ते पर चलने हेतु प्रोत्साहित किया जाए, यह मेरी हार्दिक अपेक्षा है।

अन्त में शिक्षा परिवार के समस्त अभिकर्मियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई।

(डॉ0एम0सी0 जोशी)
सचिव
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।